

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	फाल्गुन 07, सोमवार, शके 1945-फरवरी 26, 2024 <i>Phalguna 07 Monday, Saka 1945- February 26, 2024</i>	

**भाग-1(ख)**

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

**वन विभाग**

विज्ञप्ति

**जयपुर, फरवरी 31, 2024**

**संख्या प. 2(42)वन/2023** :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें ले लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है,

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/ असिस्टेंट फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है, तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त

तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,  
विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

**प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर-भूमि)**

क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण		
					ग्राम	खसरा नं.	रकबा (हैक्टर में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भगवतपुरा	निवाई	टोंक	उत्तर दिशा सरहद मौजा बाढ तनखा शामिल मौजा कुरावदा	भगवतपुरा	1	2.6684
				दक्षिण दिशा खसरा नम्बर 256,257,258,259,260,261,262		2	4.6792
				पूर्व दिशा खसरा नम्बर 4,5,6,7,8,9,10,11,12		3	8.8145
				पश्चिम दिशा में खसरा नम्बर सरहद मौजा शिवपुरा मुश्तरफा खालसा व जागीर से लगा हुआ है।			
				<b>योग</b>	<b>किता-6</b>		<b>16.1621 हैक्टर</b>

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
उनियारा

उप वन संरक्षक  
टोंक

## द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

क्र.सं.	हिन्दी नाम	वानस्पतिक नाम
1	देशी बबूल	Acacia nilotica
2	खेजडी	Prosopis Cineraria
3	कैर	Capparis Decidua
4	नीम	Azadirachta indica.
5	इजरायली बबूल	Aeacia Tortlis
6	कुमठा	Acacia Senegal

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
उनियारा

उप वन संरक्षक  
टोंक

**प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उपवन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र  
जो लागू नहीं होता है उसे काट दे**

वनखण्ड -भगवतपुरा

रैंज-निवाई

वन मंडल-टोंक

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण क्रमशः गैर मुमकिन पहाड गैर मुमकिन नाखर/मंगरा/गैर कृषि पायती है जंगलात जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 07 में विस्तृत रूप से खसरा नं. का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य करवाया गया है कराना है इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिए लिये जिला कलेक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है तथा प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः 16.1621 है0 में प्ला. एवं अन्य विकास कार्य आगामी वर्षों में करवाया जाना है। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए है। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 04-07 है तथा कुछ क्षेत्र में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों देशी बबूल, कैर, खेजडी, नीम, इजरायली बबूल, कुमठा का लगभग प्रतिशत 5-10 क्रमशः है, तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है
5. प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन है प्रस्ताव संख्या FP/RJ/WATER/11042/2013 ईसरदा डेम निर्माण में प्रभावित हुई वन भूमि की एवज में खसरा ग्राम भगवतपुरा तहसील निवाई में कुल 16.1621 है0 गैर वन भूमि का आवंटन जिला कलेक्टर टोंक के द्वारा किया गया जो कि वन विभाग के खाते में दर्ज है। समीपवर्ती स्थित क्षेत्र राजस्व बंजर/चरागाह/खातेदारी/वन चरागाह, वन भूमि है चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वंछित मानचित्र नक्शों संलग्न है, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं 6 स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्वाही से इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

**क्षेत्रीय वन अधिकारी  
उनियारा**

**उप वन संरक्षक  
टोंक**

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।